स्वतंत्रता दिवस समारोह की 55 वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान के निदेशक का उद्‌बोधन

संस्थान के सभी सदस्य उनके परिवारजन एवं बच्चों, भारत के स्वतंत्रता दिवस की 55 वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर मैं आप सबको हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ. आर्थिक मंदी से विश्व के अन्य देशों के साथ भारत भी ग्रस्त है. ऐसे में देश के अधिकांश राज्यों में अनावृष्टि से उत्पन्न परिस्थितियों से संकट और भी गहराता नजर आ रहा है. 1972 , 1987 के बाद ऐसा अकाल फ़िर से आया है, परन्तु इस बार देश इस सूखे और अकाल का सामना करने के लिए सक्षम है. गोदामों में खाद्यान्न भरपूर हैं, जो स्थिति को काबू में रखने में सहायक सिद्ध होंगे. जल-संचयन, जल-संरक्षण और जल के समग्र विकास एवं प्रबंधन से अकाल का सामना किया जा सकता है. किसी भी देश को विकसित एवं स्वावलंबी बनाने में कृषि, बिजली, शिक्षा, सूचना प्रणाली, स्वास्थ्य इत्यादि क्षेत्रों में किए गए प्रयासों और प्रगति का महत्वपूर्ण योगदान होता है. ऐसे में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की देश को अधिक उन्नति की तरफ़ ले जाने और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रदान करने में विशिष्ट भूमिका होगी. इस परिप्रेक्ष्य में हमको अपने संस्थान के कार्यों पर भी दृष्टि डालनी होगी.

अब तक आप में से बहुत से लोग महामहिम राष्ट्रपति डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के विचारों से सुपरिचित होंगे. आज से 6 माह पूर्व दिल्ली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाषण देते हुए उन्होंने कहा-

> "Low aim is the crime coupled withdefeatist sprit is keeping India from finding its rightful place under the sun."

उन्होंने आगे कहा, हमें आशा और धैर्य खोना नही चाहिए. सत्यनिष्ठा से काम करेंगे तो सफ़लता अपने आप प्राप्त होगी. शायद यह बात हम सबके लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी, ऐसा मेरा विश्वास है. अन्त में मैं डा० कलाम द्वारा आज से 4, 5 वर्ष पहले दिए गए भाषण का एक अंश प्रस्तुत करना चाहता हूँ -

> "People here are great dreamers and their dreams finally culminated in spectacular achievements. If my mind can perceive it and my heart can believe it, I know I can achieve it."

आज हम सबको अपने देश के लिए पुनः समर्पित होने का अवसर है. आइए, हम सब संकल्प लें, कि हम निष्ठा, लगन और कुशलता से राष्ट्र के विकास में अपना पूर्ण योगदान देंगे.

* * * * *